विद्या भवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

वर्ग अष्टम् विषय संस्कृत शिक्षक श्यामउदय सिंह

ता:-३१/०८/२०२० (एन.सी.ई.आर.टी.पर आधारित)

पाठ:-सप्तम: पाठनाम पर्यावरण- विज्ञानम्

गद्यांश:- पर्यावरणम् इति शब्दः परि+आङ् उपसर्ग पूर्वकं वृ (वर्) धातोःल्युट् प्रत्ययेन व्युत्पन्नः। यत् किञ्चिदपि अस्मान् परिवृणोति जीवनञ्च प्रभावयति तत्सर्वमेव पर्यावरणम् ।एवं वन , वृक्ष,पुष्प,पर्वत,नदी, निर्झर, सरोवर ,तपोवन, उपवन,आश्रम,आकाश,जल,पृथ्वी,वायु,तेज, समुद्र , पशु, पक्षिणः,इत्येतत् सर्वमेव पर्यावरणम् ।

शब्दार्था:-यत् – जो , किञ्चिदपि – कुछ भी , परिवृणोति -अपनाता है , जीवनञ्च – और जीवन को , प्रभावयति – प्रभावित करता है, तत्सर्वमेव -वह सभी

अर्थ-पर्यावरण शब्द परि+आ उपसर्ग पूर्वक वृ (वर्)=(अपनाना)धातु के ल्युट् प्रत्यय से उत्पन्न है।जो कुछ भी हमलोगों को अपनाता है और जीवन को प्रभावित करता है वह सभी पर्यावरण है। इस प्रकार वन, पेड़,फूल,पर्वत, नदी, झरना,तालाव, तपोवन, उपवन, आश्रम, आकाश,जल,धरती, हवा, तेज, समुद्र, पशु ,पक्षिगण सभी पर्यावरण है।